www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, सोमवार
1 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 39 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

- बकरीद के दिन मारा था, पुलिस ने भागते वक्त मारी गोली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई। बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है। आओ, दिखाते हैं। इसका सीसीटीवी भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खोड़ा के रहने वाले नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए।

आप 'आम' नहीं बल्कि बहुत खास हैं

- पीएम ने की 'मन की बात' में आम उत्पादक किसानों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशभर के आम उत्पादक किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और समर्पण की बदौलत फलों का राजा आम हर साल लाखों परिवारों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में गर्मियों का मौसम आते ही आम की चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आम को लेकर उत्साह न हो। उन्होंने कहा कि हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद और अपनी खुशबू होती है।

लंगड़ा आम की खासियत का किया जिक्र

पीएम मोदी ने लंगड़ा आम की खासियत का भी जिक्र करते हुए कहा कि पकने के बाद भी इसका रंग कई बार हरा ही रहता है। उन्होंने बिहार के जर्दालु आम की सुगंध की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। इसके अलावा उन्होंने चौसा और मालदा जैसी प्रसिद्ध किस्मों का भी उल्लेख किया।

अब खदानों में सीधे कोयले से बनेगी गैस

बचेंगे देश के अरबों डॉलर, बड़ा प्लान है तैयार

धनबाद (एजेंसी)। कोयला उद्योग देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर कदम बढ़ा चुका है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और उससे पैदा हुई ऊर्जा चुनौतियों से

- पश्चिम एशिया संकट के बीच राहत की खबर

निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक गेमचेंजर योजना को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत अब देश की उन खदानों से गैस निकाली जाएगी, जहां कोयला अत्यधिक गहराई में जा चुका है और पारंपरिक तरीके से उसका खनन बेहद खर्चीला और मुश्किल हो गया है। ऐसी खदानों में अब कोयले को सीधे जलाने के बजाय उसे कोल गैसीफिकेशन (कोयला गैसीकरण) तकनीक के जरिए सीधे गैस में बदला जाएगा।

50 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

अनुमान के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स के शुरू होने से करीब 50,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वर्तमान में भारत अपनी जरूरतों के लिए विदेशों पर अत्यधिक निर्भर है। इस प्रोजेक्ट के सफल होने से इस निर्भरता में भारी कमी आएगी। देश में फर्टिलाइजर और केमिकल उद्योग के लिए ये सभी उत्पाद बेहद जरूरी हैं। घरेलू कोयले से गैस और ईंधन बनने के बाद भारत को महंगे आयात से मुक्ति मिलेगी, जिससे देश का राजकोषीय घाटा कम होगा और भारतीय रुपया मजबूत होगा।

वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन गैसीकरण का लक्ष्य

इस परियोजना के तहत सरकार ने साल 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले के गैसीकरण का कड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में भारत में कोयले का सबसे अधिक उपयोग सीधे बिजली उत्पादन (थर्मल पावर) में होता है लेकिन इस नई तकनीक के माध्यम से कोयले से जो गैस बनेगी, उसका उपयोग मेथेनॉल, अमोनिया, आवश्यक रसायनों और फर्टिलाइजर बनाने में किया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में कोयले की मांग में भी भारी इजाफा होगा। इस क्रांतिकारी कदम से न सिर्फ भारत की विदेशी देशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि रोजगार सृजन भी होगा।

ट्रम्प की बेटी टिफिनी पति के साथ जैसलमेर पहुंचीं

काफिले के साथ पहुंचीं, 2 लाख प्रतिदिन किराए वाले विला में रुकीं

जैसलमेर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की छोटी बेटी टिफनी ट्रम्प पति माइकल बोलोस के साथ रविवार सुबह

- एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था में एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' तैनात

करीब 10.51 बजे विशेष विमान से जैसलमेर पहुंचीं। वे विश्व प्रसिद्ध सोनार किला (जैसलमेर फोर्ट), पटवों की हवेली और खूबसूरत गड़ीसर लेक सहित जैसलमेर के प्रमुख पर्यटन स्थल देखने जाएंगी। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सूर्यगढ़ होटल में रुके हैं। जिस विला में वे रुके हैं, वह होटल का सबसे महंगा है। उसका किराया करीब 2 लाख रुपए प्रतिदिन बताया जा रहा है। इस विला में तीन कमरे और स्विमिंग पूल है। टिफनी ट्रम्प दिल्ली से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट पहुंचीं। जैसलमेर एयरपोर्ट पर पुलिस, विशेष सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान तैनात किए गए। एयरपोर्ट के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' भी तैनात किया गया था।

होटल में राजस्थानी डांस से स्वागत

टिफनी ट्रम्प के सूर्यगढ़ होटल पहुंचने पर लोक कलाकारों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में घूमर सहित कई डांस परफॉर्मेंस दी। पारंपरिक वाद्य यंत्रों (इंस्ट्रूमेंट्स) की धुन पर लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। स्वागत के लिए ऊंटों को विशेष रूप से राजस्थानी अंदाज में सजाया गया था। रंग-बिरंगे कपड़ों, कढ़ाईदार सजावटी सामान और पारंपरिक ज्वेलरी से सजे ऊंट आकर्षण का केंद्र रहे। टिफनी ट्रम्प और उनके पति सोमवार शाम 4 बजे जैसलमेर से लौटेंगे।

सीबीएसई छात्र वेदांत से मिले राहुल गांधी

'राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंट्स' कहे जाने पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर चर्चा की। राहुल गांधी ने इस विवाद के केंद्र में रहे छात्र वेदांत से भी मुलाकात की। इस दौरान छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर खुलकर बात रखी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया। छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, मेरे साथी राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि वेदांत और उनके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं।

छात्र बोले- हमें देशद्रोही-पाकिस्तानी कहा गया

वीडियो में छात्र बताते हैं कि लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया। एक छात्र वेदांत ने बताया कि जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है। छात्र वेदांत ने बताया कि इसके बाद मैंने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उठाया। उसे लोगों का समर्थन मिला लेकिन जब बड़ी संख्या में लोगों ने उसका समर्थन किया, तो कुछ लोगों को लगा कि वे डीप स्टेट एजेंट हैं और भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। वे उन्हें सोरोस का एजेंट कहने लगे।

राहुल गांधी ने पूछा- कैसे बीच में सोरोस आ गया

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि बीच में सोरोस आ गया, पाकिस्तान भी आ गया, हर कोई आ गया। यह तो पागलपन है। तुम लोगों ने कुछ किया भी नहीं। तुम छात्र हो और सिर्फ अपनी उत्तर पुस्तिका मांग रहे हो, फिर भी तुम्हें देशद्रोही कहा जा रहा है। समस्या को समझने और उसे दूर करने के बजाय छात्रों को देशद्रोही बताया जा रहा है।

बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

- स्थानीय लोगों जताई खुशी, कहा- अब चैन से सो सकेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब विवाद न हुआ हो।

कल्याण बनर्जी का आरोप, बीजेपी समर्थकों ने किया हमला

सिर पर पत्थर मारा, कहा-निरंकुश सीएम अपने विरोधियों को खत्म करना चाहता है

हुगली (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। बनर्जी हुगली में विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चंडीतला पुलिस स्टेशन गए थे, जहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया, जिसमें कल्याण बनर्जी पहले पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाते दिखे। बाद में वे सिर पकड़कर जमीन पर लेटते नजर आए।

कल्याण बोले- बंगाल में कानून-व्यवस्था खत्म

TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने बताया, मैं चंडीतला पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को ज्ञापन देने के लिए कार से जा रहा था। बाजार में ट्रैफिक जाम था। इसके चलते मैं अपने पीए के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर पैदल जा रहा था। यह जगह पुलिस स्टेशन से 50 किलोमीटर दूर है। यहां भगवा कपड़े पहने 10-15 बीजेपी के गुंडे थे, जिन्होंने अचानक नारे लगाने शुरू कर दिए। वे मुझे गालियां दे रहे थे, लेकिन मैं आगे बढ़ रहा था, तभी मेरी तरफ पत्थर फेंका गया। मेरे कपड़ों पर खून लग गया।

वृंदावन की गलियां श्रद्धालुओं से जाम, 5 लाख पहुंचे

● प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में कई किलोमीटर लंबी लाइन

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में रविवार को सुबह छह बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में आस्था का सैलाब उमड़ा है। 21 किलोमीटर लंबा परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओ से पूरी तरह भर गया है। पूरा परिक्रमा मार्ग गिरिराज महाराज की जय के जयकारे से गूंज रहा। देश-विदेश से पहुंचे भक्त गिरिराज जी की परिक्रमा के साथ ब्रज 84 कोस और वृंदावन की परिक्रमा भी कर रहे हैं। अनुमान है कि रविवार को 5 लाख से अधिक भीड़ बिहारीजी के दर्शन को पहुंची है। पिछले 24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा भक्त गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए पहुंचे। भीड़ के पहुंचने का आलम यह कि बसों की छतों पर लोग बैठकर पहुंच रहे हैं। वृंदावन की सड़कें, गलियां श्रद्धालुओं से जाम हो गई हैं।

बसों की छतों पर बैठकर पहुंचे श्रद्धालु

मथुरा से गोवर्धन आने वाले मार्गों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। सीट नहीं मिलने पर कई श्रद्धालु बसों की छतों पर बैठकर यात्रा करते नजर आए। ट्रैफिक पुलिस ने कई स्थानों पर कार्रवाई कर यात्रियों को नीचे उतारा, लेकिन भीड़ और उत्साह के कारण कुछ लोग पुलिस की नजर बचाकर दोबारा छतों पर चढ़ गए। परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही का खामियाजा श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है। शनिवार को वृंदावन में हुए दो अलग-अलग हादसों में एक महिला और एक युवक घायल हो गए। बताया गया कि नशे की हालत में वाहन चला रहे एक युवक ने दंडवती परिक्रमा कर रही महिला को टक्कर मार दी।

मंदिरों में दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें

परिक्रमा मार्ग के अलावा गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारविंद, मानसी गंगा, जतीपुरा समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज को दूध और जल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि परिक्रमा मार्ग पर बेकाबू तरीके से दौड़ रहे ई-रिक्शा सबसे बड़ी परेशानी बन गए हैं।

इजराइल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा

सैनिकों ने पहाड़ी पर झंडा फहराया, 26 साल में सबसे बड़ी घुसपैठ

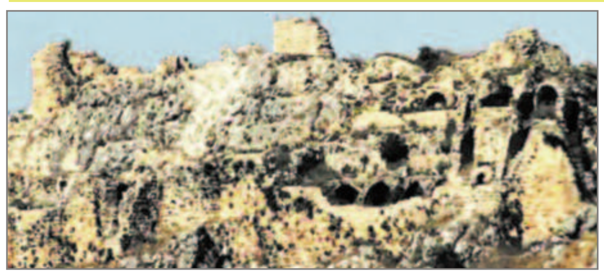

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया है। इजराइली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजराइली झंडे लहराते दिखाई दिए। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कामयाबी हासिल की है। अल जजीरा के मुताबिक पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है।

ट्रम्प बोले- जानबूझकर ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, लोग यह सुनकर हैरान होंगे कि हमने ईरानी सेना को क्यों छोड़ा और उसके साथ इतनी नरमी क्यों बरती। ट्रम्प के मुताबिक, ईरानी सेना को देश की अन्य सरकारी संस्थाओं की तुलना में थोड़ी नरम है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के मन की बात के 134 वें संस्करण को सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास की बालिकाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 134 वें संस्करण को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक सशक्त माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा कर, अन्य लोगों को भी जनहित के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नवाचार, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर निरंतर दिए जा रहे संदेश, समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तराखंड में भी कई ऐसे लोग हैं, जो अपने कार्यों से समाज में बड़े–बड़े परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने का

कार्य भी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कार्यक्रम में आज प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने देशी एवं पारंपरिक पेयों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए आम सहित भारतीय फलों की विशेषताओं का उल्लेख भी किया।

मुख्यमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के उपरांत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास की छात्राओं से संवाद किया।

मुख्यमंत्री धामी ने पद्म भूषण सम्मान पर भगत सिंह कोश्यारी को दी बधाई

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के आवास पर पहुंचकर उन्हें भारत सरकार द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान "पद्म भूषण" से सम्मानित किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना न केवल उत्तर–खण्ड बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान उनके दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन, राष्ट्रसेवा, सामाजिक सरोकारों तथा जनकल्याण के प्रति समर्पित योगदान का राष्ट्रीय स्तर पर किया गया सम्मान है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी ने अपने राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में सदैव जनसेवा, सादगी और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन से लेकर प्रदेश के विकास और राष्ट्र निर्माण की विभिन्न जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री, सांसद, राज्यपाल और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कोश्यारी ने जो आदर्श स्थापित किए हैं,

पांच डिग्री पारा लुढ़कने से सर्दी का अहसास

ऋषिकेश। पिछले दो दिन से हुई बारिश के चलते रविवार को ऋषिकेश में मौसम सुहावना रहा। पांच डिग्री पारा गिरने से जहां लोगों को गर्मी में सर्दी का अहसास हुआ। वहीं तपिश से बेहाल लोगों को राहत मिली। ऐसे में खुशनुमा मौसम में आसपास के राज्यों से भी भारी तादाद में ऋषिकेश पहुंचे पर्यटकों ने गंगा घाटों समेत पर्यटन स्थलों का आनंद उठाया। पर्यटन स्थलों पर भीड़भाड़ से निर्भर व्यवसायियों के चेहरों पर मुस्कान दिखी। रविवार सुबह से ही आसमान को काले बादलों ने घेरे रखा। ठंडी हवाओं से मौसम और ज्यादा सुहावना हो गया। दस बजे के बाद आसमान से रिमझिम फुहार भी बरसी। मौसम के बदले मिजाज को न सिर्फ पर्यटक, बल्कि स्थानीय लोग भी जमकर लुत्फ उठाते दिखे। बाजारों में भी दिनभर रौनक देखने को मिली। चहल–पहल और खरीदारी बढ़ने से घाट रोड, रेलवे रोड, दून रोड, मुखर्जी मार्ग और क्षेत्र रोड के दुकानदारों भी खिले दिखे। अभीतक 40 और फिर 33 के बाद अब पारा अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस पहुंचने से लोगों को गर्मी से भी राहत मिली। सुबह स्थिति यह रही कि एक दफा लोगों को सर्दी का अहसास हुआ। वहीं, सुहाने का मौसम का लुत्फ उठाने के लिए दिल्ली, एनसीआर, यूपी, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से भी भारी संख्या में पर्यटक ऋषिकेश में जुटे दिखे। आसपास क्षेत्र के पर्यटक स्थलों पर भी अन्य दिनों के मुकाबले रविवार को अधिक भीड़ नजर आई। राज्य मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने बताया कि मौसम में फेरबदल की संभावना लगातार बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

4 जून से शुरू होगा 12 दिवसीय निशुल्क समर कैंप

देहरादून। पर्वतीय कल्याण समिति की ओर से स्मिथनगर स्थित सामुदायिक भवन में 4 जून से 14 जून 2026 तक 12 दिवसीय निशुल्क समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। कक्षा 3 से 8 तक के बच्चे इसमें प्रतिभाग करेंगे। अब तक 150 बच्चों का पंजीकरण हो चुका है। समिति के महासचिव वीरू बिष्ट ने बताया कि वर्तमान के डिजिटल दौर में बच्चे मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में समर कैंप का उद्देश्य उन्हें मोबाइल की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर खेलकूद, रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों से जोड़ना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि समिति वर्षों से सेवा भाव के साथ मध्यमवर्गीय व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए यह कैंप निशुल्क आयोजित करती आ रही है।

ताकि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा निखारने से वंचित न रहे। कैंप में विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा खेलकूद, सामान्य ज्ञान, कला व अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को सहभागिता प्रमाण पत्र और प्रतिदिन पौष्टिक जलपान उपलब्ध कराया जाएगा। समिति ने क्षेत्रवासियों और अभिभावकों से समर कैंप को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की है, ताकि बच्चों को सकारात्मक और रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

बारिश के बीच चला 'चलो टपकेश्वर' अभियान

देहरादून। लगातार बारिश के बावजूद युवाओं और छात्रों ने रविवार सुबह टपकेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। 'चलो टपकेश्वर' अभियान के तहत करीब 150 स्वयंसेवकों ने सुबह सात बजे से नौ बजे तक तमसा नदी और आसपास के क्षेत्र में सफाई की। अभियान के दौरान करीब 200 बोरा कचरा एकत्र किया गया। इसमें प्लास्टिक रैपर, सिंगल यूज प्लास्टिक, कांच की खाली बोतलें और मंदिर की पुरानी सामग्री शामिल रही। स्वयंसेवकों ने लोगों से धार्मिक स्थलों और नदी क्षेत्रों को स्वच्छ रखने की अपील भी की। अभियान में 'आसरा ट्रस्ट', 'बीन देयर दून दैट' और 'संयुक्त नागरिक संगठन' का भी सहयोग रहा। विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने युवाओं के साथ मिलकर सफाई अभियान में भाग लिया। अभियान के समापन पर स्वयंसेवकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। बारिश के बावजूद युवाओं का उत्साह बना रहा। अभियान ने लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

मोबाइल अचानक स्विच ऑफ हुआ और खाते से उड़ गए 98 हजार

देहरादून। साइबर ठगों ने बुजुर्ग के बैंक खाते से 98 हजार रुपये उड़ा लिए। सी–ब्लॉक रेसकोर्स निवासी 74 वर्षीय अचलानंद चंदोला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 मई की दोपहर करीब दो बजे वह घर पर ही थे। अचानक उनका मोबाइल फोन बंद हो गया और कुछ देर बाद खुद ही चालू हो गया। कुछ समय बाद जब उन्होंने फोन देखा तो उनके नंबर पर बैंक खाते से 98 हजार रुपये कटने का मैसेज आया हुआ था। जबकि उन्होंने किसी को कोई पेमेंट नहीं किया था। ठगी का शक होने पर पीड़ित बैंक पहुंचे। मैनेजर ने बताया कि उनके खाते से यह ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हुआ है। अज्ञात ठगों ने बिना उनकी जानकारी के इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से यह रकम निकाली है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। एसओ नेहरू कॉलोनी मनोज नौटियाल ने बताया कि शिकायत पर शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

लगातार बारिश से केदारनाथ यात्रा रोकने के निर्देश

देहरादून। लगातार हो रही बारिश और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को कुछ समय के लिए रोकने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि मौसम की स्थिति सामान्य होने पर यात्रा सुचारु रूप से पुनः संचालित की जाएगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा पर निकलने से पूर्व मौसम की ताज़ा जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

सहायक विकास अधिकारी को क्षेत्र पंचायत का सचिव बनाए जाने का विरोध

पिथौरागढ़। प्रसार प्रशिक्षण केंद्र थरकोट में ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन में ग्राम विकास अधिकारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और विभागीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पंचायत राज विभाग के सहायक विकास अधिकारी को क्षेत्र पंचायत का सचिव बनाए जाने का ग्राम विकास अधिकारियों ने पुरजोर विरोध किया। अधिवेशन का शुभारंभ जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया। नई कार्यकारिणी में प्रवीण सिंह बिष्ट को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गोकुल मखौलिया को उपाध्यक्ष, गीता महर को महिला उपाध्यक्ष, भूपेंद्र बिष्ट को कोषाध्यक्ष,अक्षय धामी को प्रांतीय प्रतिनिधि तथा कौशिक पाठक को संप्रेक्षक चुना गया।

जागेश्वर में पर्यटक सुविधाएं सुदृढ़ करने के निर्देश, आरतोला पार्किंग को मल्टी स्टोरी बनाने की तैयारी

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने शनिवार को जागेश्वर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा बढ़ती पर्यटक संख्या को देखते हुए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी पनुवानौला पहुंचे, जहां उन्होंने बिखरे पड़े कूड़े पर नाराजगी जताई और कूड़ा प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में पार्किंग की आवश्यकता पर बल देते हुए उपयुक्त भूमि की तलाश करने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने आरतोला पार्किंग का निरीक्षण कर पार्किंग, यातायात व्यवस्था और साफ–सफाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम में लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को देखते हुए पार्किंग सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग को आरतोला पार्किंग को मल्टी स्टोरी पार्किंग के रूप में विकसित करने का आगणन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

साथ ही कूड़ा प्रबंधन और शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। आरतोला से जागेश्वर तक पैदल भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने मार्गीय व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने आरतोला से जागेश्वर तक कूड़ा संग्रहण की समुचित व्यवस्था करने तथा पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। जागेश्वर मंदिर पहुंचकर जिलाधिकारी ने पूजा–अर्चना कर जनपदवासियों के सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

लंढौरा में छह घंटे तक लगा रहा जाम

रुड़की। लंढौरा में रविवार को करीब छह घंटे तक भीषण जाम की स्थिति बनी रही। हरिद्वार जाने वाले तीर्थयात्रियों के वाहनों का रूट डायवर्ट किए जाने से रुड़की–लक्सर मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ गया, जिससे लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी।

नगला इमरती अंडरपास से यातायात को लंढौरा–लक्सर मार्ग की ओर मोड़े जाने के बाद सुबह करीब नौ बजे से जाम लगना शुरू हो गया। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और स्थिति दोपहर करीब तीन बजे तक बनी रही। पुलिस ने यातायात सुचारु करने के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन भारी दबाव के कारण जाम पूरी तरह नहीं खुल सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि रुड़की–लक्सर मार्ग पर बढ़ता अतिक्रमण जाम की समस्या का प्रमुख कारण है। मार्च में प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था, जिससे कुछ समय राहत मिली, लेकिन कुछ ही दिनों बाद सड़क किनारे फिर अतिक्रमण हो गया। लोगों ने बताया कि जाम के कारण कई बार गंभीर मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस भी फंस जाती हैं।

सड़क सुरक्षा और साइबर जागरूकता पर सल्ट पुलिस का अभियान

अल्मोड़ा। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत रविवार को सल्ट क्षेत्र में स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यातायात नियमों के पालन, साइबर अपराधों से बचाव, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित वाहन संचालन, सड़क सुरक्षा नियमों के पालन तथा यातायात के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के उपायों, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा नए आपराधिक कानूनों के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

मां–बेटे पर हमला, आठ लोगों पर केस दर्ज

रुड़की। एक युवक और उसकी मां के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। खानपुर थाना क्षेत्र के करणपुर गांव निवासी सुहैल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 मई को उसका भाई समीर किसी काम से गांव में ही किसी के पास काम से गया था। घर वापस आते समय गांव के ही कुछ लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया और गाली गलौज कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर उक्त लोगों ने भाई पर तलवार से वार कर दिया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। इस बीच शोर सुनकर उसकी मां मौके पर आ गई। आरोप है कि उक्त लोगों ने भाई और मां के साथ मारपीट शुरू कर दी। जिससे उसकी मां के दांत टूट गए। आरोप है कि उक्त लोगों ने बाइक में भी तोड़फोड़ कर दी। शोर मचाने पर आसपास के लोगों को आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

आत्मनिर्भरता की राह पर युवा और महिलाएं

बागेश्वर। पहाड़ में सीमित कृषि संसाधनों, जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक और रोजगार के सीमित अवसरों के बीच मशरूम उत्पादन युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार का बेहतर विकल्प बनकर उभर रहा है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बागेश्वर में 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 25 युवा और महिलाएं आधुनिक व जैविक तरीके से मशरूम उत्पादन की तकनीक सीख रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बटन, मिल्की और ऑयस्टर मशरूम के उत्पादन की विधियां सिखाई जा रही हैं। साथ ही मशरूम की खेती के लिए आवश्यक तापमान, नमी, बीज चयन, खाद प्रबंधन, रखरखाव, उत्पादन प्रक्रिया और विपणन संबंधी जानकारी भी दी जा रही है।

कार्यक्रम की खास बात यह है कि इसमें ऑर्गेनिक तरीके से मशरूम उत्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि कम लागत में बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन कर बाजार में अच्छा लाभ प्राप्त किया जा सके। मास्टर ट्रेनर ममता मेहरा प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की बारीकियां सिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन कम जगह, कम लागत और सीमित संसाधनों में आसानी से शुरू किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेती को जंगली जानवरों से लगातार नुकसान पहुंच रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।

राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा होगा ऐतिहासिक

रुद्रपुर। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। यह बात कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा ने रविवार को सिटी क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी चार जून को अल्मोड़ा में जनसभा एवं रैली को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ केंद्रीय और प्रदेश स्तरीय नेता भी शामिल होंगे। गावा ने कहा कि कुमाऊं मंडल के विभिन्न जिलों से हजारों कार्यकर्ता रैली में भाग लेंगे। ऊधमसिंह नगर से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी अल्मोड़ा पहुंचेंगे। रैली को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

ब्लॉक, नगर और बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के प्रति युवाओं, महिलाओं, किसानों और कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। पार्टी को विश्वास है कि अल्मोड़ा की यह सभा उत्तराखंड की सबसे बड़ी राजनीतिक सभाओं में शामिल होगी। बताया कि अल्मोड़ा कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे पौड़ी पहुंचेंगे, जहां वह पूर्व सैनिक सम्मेलन में भाग लेकर सैनिकों और उनके परिवारों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि सैनिक बहुल राज्य होने के कारण यह कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है। उन्होंने बताया कि पांच जून को राहुल गांधी देहरादून में कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ नेताओं, जिला अध्यक्षों, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और वर्तमान एवं पूर्व विधायकों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक सक्रियता और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा होगी। गावा ने कहा कि राहुल गांधी का यह दौरा प्रदेश कांग्रेस को नई ऊर्जा देगा और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को मजबूती प्रदान करेगा।

स्मिथनगर सामुदायिक भवन में 4 जून से लगेगा समर कैंप

देहरादून। पर्वतीय कल्याण समिति की ओर से स्मिथनगर स्थित सामुदायिक भवन में 4 जून से 14 जून 2026 तक 12 दिवसीय निशुल्क समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कक्षा 3 से 8 तक के बच्चे प्रतिभाग करेंगे। अब तक 150 बच्चों का पंजीकरण हो चुका है। समिति के महासचिव वीरू बिष्ट ने बताया कि वर्तमान के डिजिटल दौर में बच्चे मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में समर कैंप का उद्देश्य उन्हें मोबाइल की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर खेलकूद, रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों से जोड़ना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि समिति वर्षों से सेवा भाव के साथ मध्यमवर्गीय व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए यह कैंप निशुल्क आयोजित करती आ रही है। ताकि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा निखारने से वंचित न रहे। कैंप में विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा खेलकूद, सामान्य ज्ञान, कला व अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

लखवाड़ से शुरू हुई दो दिवसीय श्री महासू देवता देव यात्रा

विकासनगर। श्री महासू देवता लखवाड़ दयाल सांस्कृतिक समिति द्वारा शनिवार से दो दिवसीय भव्य देव यात्रा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री खजान दास और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. स्वराज विद्यार्थी ने श्री महासू देवता मंदिर लखवाड़ में पूजा–अर्चना की। इसके बाद उन्होंने देव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य परंपरागत धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करना और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना था।

गुम हुए तीन नाबालिग बालक सकुशल बरामद

पिथौरागढ़। थल क्षेत्र में गुम हुए तीन नाबालिग बालकों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। परिजनों ने बताया कि उनके बच्चे 29 मई 2026 की शाम घर से कहीं चले गए थे और काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रकाश पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल खोज अभियान शुरू किया। पुलिस ने तकनीकी सहायता और सर्विलांस के माध्यम से लगातार तलाश जारी रखी, जिसके परिणामस्वरूप तीनों नाबालिग बालकों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।आवश्यक कानूनी एवं औपचारिक कार्यवाही पूरी करने के बाद बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चों के सकुशल मिलने पर परिजनों ने थाना थल पुलिस का आभार व्यक्त किया।

किसानो और गौ पालकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

विकासनगर। सनातन धर्म मंदिर साहिया में रविवार को किसानों और गौ पालकों के लिए किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों और गौ पालकों को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, जिससे वे कृषि और पशुपालन क्षेत्र में लाभ उठा सकें। साथ ही उनकी समस्याओं को भी ध्यानपूर्वक सुना गया और समाधान के लिए सुझाव दिए गए। आयोजन का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक, योजनाओं और संसाधनों से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरित करना था।

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश की आशंका, श्रीनगर में रोकी यात्रा

श्रीनगर में रोके गए वाहन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: श्रीनगर में लगातार बारिश से रास्ते में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन चारधाम यात्रा वाहनों को श्रीनगर में रोक दिया। पुलिस प्रशासन ने करीब 100 छोटे-बड़े यात्री वाहनों को एनआईटी मैदान में खड़ा कराया है। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस के साथ-साथ आईटीबीपी के जवान भी मौके पर तैनात हैं।

चारधाम यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है और श्रद्धालुओं की भारी संख्या धामों के दर्शन के लिए पहुंच रही है। हालांकि मौसम में आए बदलाव के कारण केदारनाथ धाम क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए उन श्रद्धालुओं को फिलहाल केदारनाथ के लिए प्रस्थान न करने की सलाह दी है, जो आज यात्रा पर निकलने की योजना बना रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि मौसम सामान्य होने के बाद ही यात्रा आगे बढ़ाई जाए।

पैदल मार्ग के सुधारीकरण व सौदार्यीकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: वार्ड संख्या नौ के मोहल्लावासियों ने पालिका प्रशासन से तिमली विद्या मंदिर को जाने वाले पैदल मार्ग के सुधारीकरण और सौंदर्यीकरण की मांग उठाई है। स्थानीय निवासी ऋषि बहुगुणा ने बताया कि करीब 300 मीटर लंबे इस मार्ग पर पिछले 20 वर्षों से मरम्मत कार्य नहीं हुआ है। मार्ग की रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस रास्ते से मोहल्ले के लोगों के साथ ही विद्यालय के छात्र–छात्राएं भी आवाजाही करते हैं। मोहल्लावासियों ने पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

अव्वल विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी। गढ़वाल केंद्रीय विवि के डॉ. बीजीआर परिसर के 7 मेधावियों का नॉर्थ जोन में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं समेत 22 छात्र छात्राओं को स्व. डॉ. आलम सिंह रावत मैमोरियल छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। परिसर सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. डॉ. यूसी गैरोला ने बताया कि मई के प्रथम सप्ताह में छात्रवृत्ति के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं थीं जिसमें अनामिका जुगराण प्रथम, अंजलि थपलियाल द्वितीय व आकांक्षा गुसाईं तृतीय रही जबकि नॉर्थ जोन के तहत हुई पावर लिफ्टिंग महिला में प्रभा पांडेय ने पहला, वॉलीबाल महिला में अश्वनी मेहरा ने दूसरा और टेटे पुरुष अनंत बिष्ट ने तीसरा स्थान पाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धीरेंद्र सिंह रावत ने सभी को पुरस्कार बांटे। इस मौके पर शिक्षाविद डॉ. गौतम कुमार, डॉ. सीबी कोटनाला, डॉ. नवीन चंद्र, डॉ. सपना रावत, मानसी दंगवाल आदि मौजूद रहे।

श्री राजराजेश्वरी मंदिर देवलगढ़ में महायज्ञ समापन

श्रीनगर गढ़वाल। देवलगढ़ स्थित श्री राजराजेश्वरी मंदिर में पांच दिवसीय महायज्ञ का हवन एवं भंडारे के साथ समापन हो गया। महायज्ञ में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आचार्य महेश उनियाल व ज्योतिषाचार्य श्रीती सुंदरियाल ने धर्म और हिंदू संस्कृति तथा मां राजराजेश्वरी के महात्म्य पर प्रवचन दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपनी आने वाली पीढ़ी को धर्म–कर्म के महत्व को समझाने एवं इन कार्यों में बढ़–चढ़कर भागीदारी कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए सभी को आगे आने की आवश्यकता है। मौके पर मुख्य पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल, ईई ओंकार पांडेय, शक्ति प्रसाद उनियाल, डॉ. मनीष उनियाल आदि मौजूद रहे।

दूसरे दिन नहीं बिका कोई नामांकन पत्र

श्रीनगर गढ़वाल। व्यापार मंडल श्रीनगर के चुनाव को लेकर बाजार में चुनावी माहौल तेज हो गया है। शनिवार को नामांकन पत्रों की बिक्री के पहले दिन विभिन्न पदों के लिए व्यापारियों ने उत्साह के साथ नामांकनपत्र खरीदे। वहीं रविवार को एक भी नामांकनपत्र नहीं बिका।

चुनाव अधिकारी दिनेश प्रसाद भट्ट ने बताया कि शनिवार को अध्यक्ष पद के लिए तीन, महासचिव पद के लिए दो तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए एक नामांकनपत्र की बिक्री हुई। जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने व्यापारियों से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की।

यूकेडी ने पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल की रविवार को हुई बैठक में संगठन का विस्तार कर पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गईं। डीडी पंत पार्क, नैनीताल रोड में आयोजित बैठक में मोहन सिंह नेगी को जिला उपाध्यक्ष के साथ कोषाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। वहीं, उत्तम सिंह बिष्ट को जिला महामंत्री के साथ संयुक्त संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। रंगकर्मी शम्भू दत्त साहिल को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां दी गई हैं।

गोखले मार्ग करवाया खाली, अन्य मार्गों पर बढ़ी चुनौती

आश्वासन के बाद भी रेहड़ी-ठेली वालों के लिए नही हुई स्थाई व्यवस्थायें, गोखले मार्ग से हटाए रेहड़ी-ठेली वालों ने मुख्य मार्गों पर किया कब्जा

कोटद्वार के पटेल मार्ग में बेतरतीब तरीके से घूमती रेहड़ी–ठेली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सीसीटीवी कैमरा व सड़क किनारे सफेद पट्टी खेंचकर नगर निगम ने गोखले मार्ग को तो अतिक्रमण मुक्त कर दिया। लेकिन, यहां से हटाए गए रेहड़ी-ठेली वालों ने अब शहर के मुख्य मार्गों पर कब्जा जमाना शुरु कर दिया है। नतीजा, मुख्य मार्गों पर यातायात के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं लगातार बेपटरी होती जा रही हैं। आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

शहर के मुख्य चौराहा झंडाचौक के समीप स्थित गोखले मार्ग नगर निगम के लिए चुनौती बना हुआ था। लगातार अभियान चलाने के बाद भी प्रशासन व नगर निगम की टीम गोखले मार्ग को अतिक्रमणमुक्त करने में नाकाम साबित हो रही थी। कुछ दिन पूर्व नगर निगम ने अतिक्रमणकारियों ने नजर रखने के लिए मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगा दिए। साथ ही सड़क किनारे सफेद पट्टी खेंचकर अतिक्रमण करने वालों को चालान करने की चेतावनी दी गई। इसके बाद से मार्ग पर स्थिति ठीक बनी हुई है। लेकिन, यहां से हटाए रेहड़ी–ठेली व फड़ वालों ने अन्य मुख्य मार्गों पर लोगों की चुनौती बढ़ा दी है। सबसे बुरी स्थिति पेटल मार्ग, देवी रोड, स्टेशन रोड, मानपुर रोड की बनी हुई है। यहां सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ी रेहड़ी-ठेली के कारण लोगों को बीच सड़क से गुजरना पड़ता है। जिसके कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

आज तक नहीं हुई स्थाई व्यवस्था

शहर में लाख आश्वासन के बाद भी आज तक रेहड़ी-ठेली वालों के लिए स्थाई व्यवस्था नहीं बन पाई है। नतीजा, आज भी रेहड़ी-ठेली व फड वाले सड़क पर ही घूम रहे हैं। नगर निगम चुनाव के दौरान भी रेहड़ी–ठेली वालों को स्थानीय स्थल चिह्नित करने का आश्वासन दिया गया। लेकिन, यह आश्वासन भी केवल हवाई साबित हुआ। ऐसे में कैसे व्यवस्थाओं में सुधार होगा यह बड़ा सवाल है।

भारत भूषण शाह को मिला जिलाध्यक्ष का दायित्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: एससी, एसटी, ओबीसी वैचारिक महासभा जिला पौड़ी गढ़वाल की रविवार को देवी मंदिर के निकट एक प्रतिष्ठान में बैठक हुई। पूर्व जिलाध्यक्ष आशाराम ने कार्य व्यस्तता और व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद का दायित्व किसी अन्य को सौंपने का प्रस्ताव रखा।

बैठक में महासभा की प्रदेश उपाध्यक्ष गीता सिंह और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एमएल भारती की मौजूदगी में नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से वरिष्ठ समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य भारत भूषण शाह को जिलाध्यक्ष चुना गया। सुषमा सुनहरा को जिला महिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में विकास आर्य, अमन कुमार घाघट, महेश गौतम सहित विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संचालन जिला महासचिव केशीराम निराला और संगठन सचिव प्रमोद कुमार चौधरी ने किया।

औद्योगिक अस्थानों में श्रम कानूनों की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत जिला उद्योग केंद्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें औद्योगिक आस्थान क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों एवं उद्यमियों को श्रम कानूनों सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने किया। कार्यशाला में श्रम विभाग के अधिकारियों ने श्रमिक पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों, कार्यस्थल सुरक्षा मानकों तथा श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही श्रमिकों एवं नियोक्ताओं को उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई। अधिकारियों ने कहा कि श्रम कानूनों का अनुपालन न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा करता है, बल्कि उद्योगों में बेहतर कार्य वातावरण और उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक होता है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने प्रश्न भी पूछे गए, जिनका अधिकारियों की तरफ से संतोषजनक जबाव भी दिए गए। महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने कहा कि कार्यशाला का उदेश्य उद्योगों और श्रमिकों को श्रम संबधी प्राविधानों, अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना है। इस मौके पर प्रबधंक उपासना सिंह, सिडकुल सचिव विवेक चौहान, सिडकुल अध्यक्ष सीनील गुप्ता, प्रतीक गुप्ता, कुलदीप सिंह, रणजीत सिंह मौजूद रहे।

दुकानों में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर के बीचोंबीच स्थित मालनी मार्केट में शनिवार देर रात आग लगने से दो दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग की चपेट में आने से दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग घनी आबादी और व्यस्त बाजार क्षेत्र में लगी थी, ऐसे में समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना शनिवार रात करीब डेढ़ बजे की है। गोखले मार्ग से गुजर रहे कुछ युवकों की नजर एक दुकान से निकल रहे धुएं पर पड़ी। युवकों ने तत्काल आसपास के व्यापारियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर व्यापारी मौके पर पहुंचे। जैसे ही दुकान का शटर खोला गया, भीतर धधक रही आग की लपटें बाहर निकलने लगीं। देखते ही देखते आग ने समीप स्थित दूसरी दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। दमकल विभाग के अनुसार, आग से प्रभावित एक दुकान में वासीद नामक व्यापारी सब्जी का कारोबार करता था, जबकि दूसरी दुकान सुमन देवी की रेडीमेड कपड़ों की थी। आग से दोनों दुकानों में रखा पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। जिस स्थान पर आग लगी, उसके आसपास सैकड़ों दुकानें मौजूद हैं। ऐसे में यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो नुकसान कहीं अधिक हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

कोटद्वार में मालनी मार्केट में दुकानों में लगी आग

राहुल गांधी का पौड़ी दौरा रहेगा ऐतिहासिक, पूर्व सैनिकों से करेंगे संवादः नेगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित पौड़ी दौरे को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने पूर्व सैनिकों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और उनसे अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया।

महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक में विधानसभा कोटद्वार, लैंसडौन और यमकेश्वर क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि राहुल गांधी का चार जून को प्रस्तावित पौड़ी दौरा ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान राहुल गांधी पूर्व सैनिकों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। नेगी ने कहा कि संवाद कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ ही अग्निपथ योजना के तहत होने वाली अग्निवीर भर्ती पर भी विशेष चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लंबे समय से अग्निपथ योजना का विरोध करते रहे हैं और इसे युवाओं तथा देश की सैन्य व्यवस्था के हित में उपयुक्त नहीं मानते। संसद से लेकर सड़क तक वह लगातार इस मुद्दे को उठाते रहे हैं और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पौड़ी में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि पूर्व सैनिकों, सैन्य परिवारों और युवाओं की भावनाओं व चिंताओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। राहुल गांधी पूर्व सैनिकों के सुझावों और समस्याओं को सुनेंगे तथा अग्निपथ योजना के युवाओं के भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर गंभीर चर्चा करेंगे। बैठक में पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह बिष्ट, बृजपाल सिंह नेगी, गणेश नेगी, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल, नंदन सिंह, प्रकाश लखेड़ा, शूरबीर खेतवाल, केएस चौहान, दान सिंह रावत, अनिल वर्मा, चंद्रमोहन सिंह, सरदार सिंह नेगी और कुलवंत पुंडीर सहित अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने वन्य जीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है, कहा कि वर्तमान में गुलदार के आतंक की घटनांए ग्रामीणों के लिए चुनौती बन रही है, जिसका ठोस समाधान करने की जरूरत है।

शनिवार को पूर्व मंत्री बेस चिकित्सालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने गुलदार के हमले में घायल महिला का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से संपर्क कर महिला का बेहतर उपचार करवाने का आग्रह किया। साथ ही चिकित्सायल में भर्ती मरीजों का भी हालचाल जाना। उन्होंने वर्तमान में वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई, कहा कि विगत कुछ वषी से पूरे उत्तराखंड में गुलदार सहित अन्य हिंसक वन्य जीवों के हमलों में बढोतरी हुई है। जिसके कारण ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

कहा कि सरकार को गंभीर समस्या का समाधान करने के लिए ठोस प्रयास करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुरावृत्ति न हो पाए। उन्होंने बेस चिकित्सालय में चिकित्सकों की कमी को तत्काल दूर करने भी मांग की है, कहा कि बेस चिकित्सालय में चिकित्सकों की कमी को दूर किया जाना क्षेत्र की जनता के हित में है।

जय कृष्ण नैथानी अध्यक्ष व नवीन नैथानी बने उपाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर विकास मिशन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जानकी प्रसाद थपलियाल ने की, जबकि भारत भूषण नैथानी ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नई कार्यकारिणी में जय कृष्ण नैथानी को अध्यक्ष, नवीन नैथानी को उपाध्यक्ष, सोमदत्त नैथानी को महामंत्री, राजेंद्र प्रसाद रावत को मंत्री, आलोक नैथानी को कोषाध्यक्ष, पुष्पेंद्र राणा को मीडिया प्रभारी, मनीष नैथानी को उप–कोषाध्यक्ष तथा रजनीश बोराई को लेखा परीक्षक चुना गया। समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बड़ी बहन कौशल्या रावत की विशेष उपस्थिति रही। मिशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष जय कृष्ण नैथानी ने कहा कि नई पीढ़ी को सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं अपने पूर्वजों के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही मिशन की पूर्व कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों तथा सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुतीक्षण नैथानी, राजेंद्र नैथानी, अर्जुन सिंह नेगी, पंकज रावत, अंजू बिष्ट, सुधा अग्रवाल, हेमंत नैथानी, जानकी प्रसाद नैथानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष मदन सिंह रावत को सांस्कृतिक गतिविधियों का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। समारोह में एसआई सोहनलाल, ज्योति देवी, टीकम सिंह, नरेंद्र सिंह नेगी, अशोक रावत, प्रधान पांचाली, दीपक सिंह, पवन सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ।

सार्वजनिक निविदा सूचना

जिलाधिकारी महोदय गढ़वाल के कार्यालय आदेश संख्या 308/7-भूलेख/2025-26 दिनांक मार्च 31, 2026 के द्वारा तहसील थलीसैंण के अन्तर्गत दैवीय आपदा मद से 30 से 70 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त पटवारी चौकियों का मरम्मत कार्य को UTTRAKHAND PROCUREMENT RULE 2025 के प्रस्तर- 44 (ड) में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत इच्छुक पंजीकृत ठेकेदारों से सील्ड बन्द निविदायें दिनांक 16.06. 2026 को पूर्वाहन 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 16.06.2026 को अपराहन 12.00 बजे तक आमंत्रित की जायेगी तथा प्राप्त निविदायें दिनांक 16.06. 2026 को अपराहन 02.00 बजे गठित समिति द्वारा निविदा दाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। कार्य का विवरण एवं निविदा की शर्ते निम्नवत होगी।

क्रं0सं0	कार्य का नाम	धनराशि
01	रा0उ0नि0 चौकी चोपड़ाकोट-3, तहसील थलीसैंण के छत,दीवार तथा फर्श का मरम्मत कार्य	5.00 लाख
02	रा0उ0नि0 चौकी चौथान-2, तहसील थलीसैंण के छत,दीवार तथा फर्श शौचालय व चार दीवार का मरम्मत कार्य	5.00 लाख
03	रा0उ0नि0 चौकी ढौड़ियालस्यूं-2 तहसील वीरोंखाल के छत, दीवार तथा फर्श सिड़ियों का मरम्मत का कार्य	5.00 लाख
04	रा0उ0नि0 चौकी खाटली पल्ला-2, तहसील वीरोंखाल के छत, दीवार तथा फर्श का मरम्मत का कार्य	5.00 लाख
05	रा0उ0नि0 चौकी खाटली पल्ला-5 तहसील वीरोंखाल के छत, दीवार तथा फर्श का मरम्मत का कार्य	5.00 लाख
06	रा0उ0नि0 चौकी सावली-5, तहसील वीरोंखाल के छत, दीवार तथा फर्श का मरम्मत का कार्य	5.00 लाख
	योग	30.00 लाख

1. निविदाकार/ठेकेदार का किसी भी राजकीय विभाग में ठेकेदारी का पंजीकरण/जी0एस0टी0 में पंजीयन होना अनिवार्य होगा, तथा उक्त प्रमाण पत्रों को संलग्न कराना होगा।
2. निविदाकार द्वारा फार्म फीस रू0-500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कुल 590.00 को नगद/ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी थलीसैंण/वीरोंखाल गढ़वाल के नाम देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. प्राप्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकारी उपजिलाधिकारी थलीसैंण/वीरोंखाल का होगा।
4. सबसे न्यून राशि की निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
5. किसी भी वाद के निपटान हेतु क्षेत्राधिकारी तहसील थलीसैंण/वीरोंखाल का होगा।
6. विलम्ब से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
7. कार्यदेश जारी होने के एक माह के अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा।
8. भुगतान के समय 2 प्रतिशत आयकर एवं 10 प्रतिशत धरोहर राशि की कटौती की जायेगी।
9. कार्य का भुगतान तकनीकी जॉच के पश्चात सन्तोष जनक पाये जाने पर एम0बी0 के अनुसार किया जायेगा।
10. निविदाकार को रू-100.00 जूडिशियल स्टाम्प जो कि नोटरी द्वारा स्थापित हो जमा करना अनिवार्य होगा।
11. निविदाकार को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2005 के प्रस्तर-8 (1) के अनुसार कार्यपूर्ति धनराशि के रूप में 3 प्रतिशत की धनराशि की सी0डी0आर0/एफ0डी0आर/बैंक ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी थलीसैंण/ वीरोंखाल गढ़वाल के नाम बन्धक रखना अनिवार्य होगा। जिसकी अवधि 90 दिनों तक के लिये वैध होनी अनिवार्य होगी।

(कृष्णा त्रिपाठी)
उपजिलाधिकारी,
थलीसैंण।

माध्यमिक शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को लेकर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक में माध्यमिक शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ जल्द लामबंद होने का निर्णय लिया गया।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा व प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में तदर्थ एवं पीटीए शिक्षकों की लंबित मांगों शिक्षकों के विनियमितीकरण, डी–ग्रेड प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति, पीटीए शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि, मानदेय भुगतान के लिए कट–ऑफ तिथि का वर्ष 2025 तक विस्तार, एनपीएस की धनराशि को सीधे प्रान खाते में भेजने, वर्ष 2005 से पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने पर चर्चा की गई।प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि यदि शीघ्र ही संगठन की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ने तथा सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होगा। प्रदेश में 15 वर्षों से कार्यरत 413 तदर्थ शिक्षकों का अभी तक विनियमितीकरण नहीं हुआ है।प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर बिष्ट ने कहा कि शासन से व्यापक संपर्क और कई बार बैठक करने के बाद भी समस्याओं का निस्तारण न होना इस बात का प्रमाण है कि सरकार की राज्य सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की समस्या के समाधान में कोई रुचि नही है। जून के द्वितीय सप्ताह में संगठन की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक पब्लिक इंटर कॉलेज डोईवाला में आयोजित करने और देहरादून जनपद की नवीन जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन एवं गठन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रांतीय संरक्षक अनिल शर्मा, दिगपाल गडिया, संदीप रावत, गिरीश कोरंगा, सुरेंद्र रावत, अजय बिष्ट, कैलाश थपलियाल, एलडी पाठक, शैलेंद्र चौधरी, राजेश सैनी, मनोज सैनी उपस्थित रहे।

संपादकीय

केदारनाथ यात्रा पर मौसम का ब्रेक

उत्तराखंड की प्रसिद्ध चार धाम यात्रा में से एक केदारनाथ धाम की यात्रा को स्थाई तौर पर फिलहाल रोका गया है। खराब मौसम के कारण कपाट खोलने के बाद पहली बार यह स्थिति आई है लेकिन इसके पीछे यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा गया है। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण मौसम का इस यात्रा पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ता है। चारधाम यात्रा मार्ग उंचे पर्वतीय क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जहां मौसम पल—पल बदल सकता है। तेज बारिश, बर्फबारी, भूस्खलन, बादल फटना और कोहरा जैसी घटनाएं यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। विशेष रूप से मानसून के दौरान कई स्थानों पर सड़कें बंद हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को घंटों या कई दिनों तक इंतजार करना पड़ सकता है। इस बार में के अंतिम सप्ताह में पहाड़ों में भारी बारिश देखने को मिल रही है जिस कारण कई स्थानों पर भूस्खलन का खतरा भी बना हुआ है। भारी बारिश के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पहाड़ों से मलबा गिरने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग और संपर्क मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं। इससे न केवल यात्रा बाधित होती है, बल्कि स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यही नहीं मौसम खराब होने पर हेलीकॉप्टर सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। उंचाई वाले क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी, ठंड और बारिश बुजुर्गों तथा बीमार यात्रियों के लिए विशेष चुनौती बन जाती है। इसलिए प्रशासन लगातार मौसम पूर्वानुमान के आधार पर यात्रा संचालन और सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव करता रहता है।आज मौसम विभाग की सटीक चेतावनियां और रियल—टाइम निगरानी प्रणाली यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद कर रही हैं। प्रशासन यात्रियों को मौसम अपडेट, मार्ग की स्थिति और सुरक्षा निर्देशों की जानकारी मोबाइल ऐप, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से उपलब्ध करा रहा है ताकि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके। चारधाम यात्रा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन और सावधानी का भी संदेश देती है। मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर यात्रा की योजना बनाना, प्रशासन के निर्देशों का पालन करना और आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाना प्रत्येक यात्री की जिम्मेदारी है। सुरक्षित और सफल चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धा के साथ—साथ मौसम के प्रति सजगता भी उतनी ही आवश्यक है। इन्हीं सब बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए शासन की ओर से फिलहाल केदारनाथ की यात्रा को कुछ समय के लिए स्थगित किया गया है और मौसम खुलने के साथ ही पुनः यात्रियों को दर्शनों का लाभ मिल सकेगा। हालांकि यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को इससे परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यह निर्णय लेना सवीच्च प्राथमिकता है।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीघार्यु का महत्वपूर्ण स्त्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्त्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

जहरीली शराब का जहरः मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्न एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्न-मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ा दिया है। तुर्किये ने साफ किया है कि वह स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

अमेरिका में महंगाई दर 3.8% : पिछले तीन वर्ष में सबसे अधिक, खाने-पीने की बढ़ती कीमत से खर्च की क्षमता प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई (मुद्रास्फीति) दर अप्रैल में बढ़कर 3.8 फीसदी पहुंच गई। यह पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है। यह वृद्धि ईंधन और खाने-पीने की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण हुई है। यह संकेत है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव अमेरिकी लोगों की भी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.8 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.5 प्रतिशत थी। यह मई 2023 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। मासिक आधार पर कीमतों में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, हालांकि मार्च में यह बढ़ोतरी 0.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि गैस के अलावा कई अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई लंबे समय तक बनी रह सकती है और इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। महंगाई अभी भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी तय लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसका अर्थ है कि फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती करने से बच सकता है। कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगला कदम ब्याज दरों में कटौती की बजाय बढ़ोतरी भी हो सकता है।

कोई देश नहीं थोप सकता अपना वर्चस्व' :अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी-ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, 'हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा-संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ: दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी : लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी : दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा : इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा : हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है। मार्च में शुरू हुए ताजा इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष में अब तक लेबनान में 3,200 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर: अदालत में कबूला गुनाह, 10 साल के लिए जाएंगी जेल!

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक चौंकाने वाली खबर आई है। अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को बिना बताए चीन के एजेंट के रूप में काम किया। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है।

मंगेतर के साथ मिलकर चलाया प्रोपेगैंडा : संघीय वकीलों के मुताबिक यह पूरा मामला साल 2020 से 2022 के बीच का है। वांग और उनके तत्कालीन मंगेतर याओनिंग 'माइक' सन ने चीनी अधिकारियों के लिए काम किया। दोनों मिलकर 'यूएस न्यूज सेंटर' नाम की वेबसाइट चलाते थे। इस वेबसाइट के जरिए वे चीन का प्रचार करते थे। जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग को एक लिंक भेजा था। यह लॉस एंजेलिस टाइम्स में छपा एक पत्र था। इसमें शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को झूठा बताया गया था। वांग ने कुछ ही मिनटों में इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया था।

कार्रवाई में क्यों हुई देरी : एलीन वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया की सिटी काउंसिल में चुनी गई थीं। इसके बाद वे मेयर बनीं। जब उनके खिलाफ एफबीआई की जांच शुरू हुई, तो लोगों ने इस्तीफे की मांग की। लेकिन कार्यवाहक मेयर पॉल चेंग ने कहा कि उनके हाथ कानून से बंधे थे। शहर के नियमों के मुताबिक किसी को दोषी साबित होने से पहले पद से नहीं हटाया जा सकता था। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में खुद ही इस्तीफा दे दिया था। लॉस एंजेलिस की अदालत में जज वेस्ली ह्सू के सामने वांग ने अपना दोष स्वीकार किया। सुनवाई के दौरान एक चीनी दुभाषिया भी मौजूद था। वांग के वकीलों का कहना है कि उनका यह रिश्ता 2024 में खत्म हो चुका है। वांग ने कहा कि उन्होंने गलत इंसान पर भरोसा किया, जिसने उन्हें भटका दिया। उनके पूर्व मंगेतर माइक सन को पिछले साल अक्टूबर में ही चार साल की जेल हो चुकी है।

रूस ने आर्मेनिया को दी धमकी: कहा- ईयू से बढ़ाई नजदीकियां, तो झेलना होगा निलंबन; पुतिन ने दी यूक्रेन जैसी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन ने आर्मेनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि वह आर्मेनिया को बाहर निकाल सकता है। दरअसल, आर्मेनिया अब यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना चाहता है। रूस के गुट को आर्मेनिया की यह बात पसंद नहीं आ रही है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इस बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने कहा कि आर्मेनिया के इस कदम से हमारी आर्थिक सुरक्षा को भारी खतरा है। इन चारों देशों के नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक आदेश दिया है। अधिकारी दिसंबर में एक रिपोर्ट पेश करेंगे। इस रिपोर्ट में देखा जाएगा कि आर्मेनिया को हटाने से क्या असर पड़ेगा। इन नेताओं ने आर्मेनिया से अपने देश में जनमत संग्रह कराने को भी कहा है। वे चाहते हैं कि आर्मेनिया की जनता खुद चुने कि उन्हें यूरोपीय संघ में जाना है या रूस के आर्थिक गुट में रहना है। हालांकि, आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान इस मांग को पहले ही ठुकरा चुके हैं।

चुनाव से ठीक पहले बढ़ा विवाद : यह सारा विवाद आर्मेनिया के संसदीय चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ है। आर्मेनिया में सात जून को वोट डाले जाएंगे। निकोल पाशिन्यान साल 2018 से प्रधानमंत्री हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दशकों पुराना झगड़ा खत्म कराया था। इसके बाद से आर्मेनिया लगातार अमेरिका और यूरोपीय संघ के करीब जा रहा है। पाशिन्यान सरकार ने रूस के सैन्य संगठन में भी शामिल होना बंद कर दिया है। आर्मेनिया का पश्चिम की तरफ झुकाव रूस को नाराज कर रहा है।

पुतिन ने दी बड़ी आर्थिक तबाही की धमकी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्मेनिया को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक साथ दोनों संगठनों का हिस्सा नहीं रह सकता। पुतिन के मुताबिक, अगर आर्मेनिया इस गुट से बाहर गया तो उसे अपनी जीडीपी का 14 प्रतिशत नुकसान होगा। रूस ने आर्मेनिया पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। रूस ने आर्मेनिया की ब्रांडी, फलों और सब्जियों के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का पलटवार, बोला- होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं पा सकेगा यूएस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान की नई समुद्री प्रबंधन संस्था फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने उस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। संस्था ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रखेगी और गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को आवाजाही की अनुमति देती रहेगी। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका युद्ध और कूटनीति के जरिए जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने में विफल रहा, उसी तरह वह प्रतिबंध लगाकर भी अपने मकसद में सफल नहीं होगा। संस्था ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल,

अमेरिका ने हाल ही में पीजीएसए पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि ईरान इस संस्था का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों से कथित तौर पर अवैध शुल्क वसूलने और उससे मिलने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) तक पहुंचाने के लिए कर रहा है। अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, पीजीएसए को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का दावा है कि यह संस्था आईआरजीसी और उसकी नौसेना के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। इसी वजह से इसे अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की यह पहल दिखाती है कि अमेरिकी आर्थिक दबाव के कारण तेहरान को धन जुटाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और उसके वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाए रखेगा। वहीं, पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि वह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में जहाजों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए काम करती रहेगी। संस्था ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निगरानी क्षेत्र की सीमाएं भी तय की हैं और कहा है कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को उसके साथ समन्वय कर आवश्यक अनुमति लेनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर बढ़ता टकराव अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार के लिए अहम माना जा रहा है।

शांगरी-ला डायलॉग: तकनीक से मजबूत होगा हिंद-प्रशांत क्षेत्र, भारत ने डाला प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रकाश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत ने शांगरी-ला संवाद 2026 के दौरान उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों और अकादमिक सहभागिता के जरिये एक स्थिर व सुरक्षित हिंद-प्रशांत बनाने की बात कही है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा संरचना की मजबूती, रक्षा औद्योगिक सहयोग तथा उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर अग्रणी थिंक टैंक व शिक्षाविदों से भारतीय रक्षा कूटनीति पर प्रकाश डाला।

रक्षा सचिव ने एक स्थिर, सुरक्षित और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत की रक्षा कूटनीति विषय पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहभागिता के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पोस्ट के अनुसार, इस चर्चा में सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले भी उपस्थित थीं, जो इस चर्चा के राजनयिक महत्व को रेखांकित करती है। बातचीत का मुख्य जोर सैन्य-से-सैन्य सहयोग मजबूत करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर रहा। इस बीच, अमेरिकी रक्षा (युद्ध) मंत्री पीट हेगसेथ ने मुख्य भाषण से पहले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीतिक हितों की रक्षा के दूरदर्शी दृष्टिकोण की रूपरेखा स्पष्ट की। उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की यह चौथी यात्रा है।

रणनीतिक जुड़ाव की जरूरत पर जोर : भारत-अमेरिका ने शांगरी-ला संवाद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा-सुरक्षा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने नाटो सैन्य समिति के अध्यक्ष, नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ भी बातचीत की। इस दौरान, रक्षा सचिव राजेश सिंह ने अमेरिका के इंडोपेकॉम के कमांडर, एडमिरल सैमुअल जे. पपरो के साथ चर्चा की। उन्होंने नाटो के साथ निरंतर रणनीतिक जुड़ाव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सुरक्षा चुनौतियों में बदलावों पर चर्चा : रक्षा सचिव ने नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ वैश्विक-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजेश सिंह की वार्ता का केंद्र रणनीतिक संवाद बढ़ाने और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर विचारों का आदान-प्रदान करना था। उन्होंने प्रमुख बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखना जरूरी बताया। दोनों पक्षों ने उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों से भी चर्चा की।

राजनयिक संबंध गहरे करेंगे: ऑस्ट्रेलिया : संवाद के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने कहा, हम सहयोग को मजबूत करने के लिए राजनयिक और रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शांगरी-ला संवाद एशिया का प्रमुख रक्षा-सुरक्षा शिखर सम्मेलन माना जाता है, जहां एशिया-प्रशांत, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के रक्षा मंत्रियों, सैन्य प्रमुखों, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए जुटते हैं।

ट्रंप-शी मुलाकात के बाद बढ़ा तनाव: अमेरिकी पत्रकार को चीन ने देश से निकाला, अब र ने ऐसे लिया बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के ठीक बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के पत्रकारों पर कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में काम कर रहे चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के एक पत्रकार का वीजा रद्द कर दिया है।

अमेरिका ने यह कदम चीन के फैसले के जवाब में उठाया है। दरअसल, चीन ने कुछ दिनों पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की महिला पत्रकार विवियन वांग को अपने देश से निकाल दिया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर वीजा रद्द होने की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी माना कि सरकार की ऐसी योजना थी।

ताइवान के मुद्दे पर चीन का गुस्सा : इस पूरे विवाद की असली वजह ताइवान से जुड़ा एक कार्यक्रम है। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के 'डीलबुक समिट 2025' में ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का एक रिकॉर्डेड इंटरव्यू दिखाया गया था। इस शो के होस्ट एंड्रयू रॉस सोर्किन थे। सोर्किन ने इंटरव्यू के दौरान ताइवान को एक देश कह दिया था। इस बातचीत में लाई चिंग-ते ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना की थी। उन्होंने अपने देश की रक्षा करने का संकल्प भी लिया था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसी नाराजगी में

चीन ने पत्रकार विवियन वांग को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम में विवियन वांग की कोई भूमिका नहीं थी।

चीन में मिली थी सीधे टकराव की चेतावनी : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य मई में राष्ट्रपति ट्रंप ने बीजिंग का दौरा किया था। उस शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

चीन में लगातार सिमट रहा है विदेशी मीडिया : विदेशी पत्रकारों के संघ के अनुसार, साल 2020 से ही दोनों देशों के बीच पत्रकारों को लेकर खींचतान चल रही है। चीन लगातार अमेरिकी पत्रकारों के वीजा की अवधि घटा रहा है। अब उन्हें केवल एक से तीन महीने का वीजा मिल रहा है। इसके चलते चीन में अमेरिकी मीडिया घरानों के दफ्तरों में अब नाम मात्र के कर्मचारी बचे हैं। चीन के इस सख्त रवैये से अब दूसरे पश्चिमी मीडिया संगठन भी डरे हुए हैं। उन्हें डर है कि ताइवान के नेताओं का इंटरव्यू करने पर उन्हें भी चीन से बाहर निकाला जा सकता है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप: परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है।

इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए।

होर्मुज जलमार्ग का संकट : नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक

बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगे हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज़ निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है।

दोनों पक्षों में अविश्वास : ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे-मोटे हमले और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे ।जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे।उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी।राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी।मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी।दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी।राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए।राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना।स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई।तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया।उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे।सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

ईसीटी मशीन पर स्वास्थ्य विभाग की लेटलतीफी पड़ रही भारी

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी में मानसिक रोगियों के उपचार के लिए उपलब्ध कराई गई ईसीटी (इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी) मशीन का संचालन शुरू नहीं हो पाया। स्वास्थ्य विभाग की लेटलतीफी से लोगों में आक्रोश है। स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन और ओएनजीसी ने सीएसआर मद से स्वास्थ्य विभाग को बीते 12 मई को ईसीटी मशीन उपलब्ध कराई गई थी। जिला अस्पताल बौराड़ी में मशीन पहुंचने के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि मानसिक रोगों से जूझ रहे मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिलने लगेगी लेकिन मशीन फिट नहीं किए जाने से इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। ईसीटी मशीन के संचालन के लिए जिला अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में विशेष टेबल की आवश्यकता है। ईसीटी मशीन का उपयोग अवसाद, सिजोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर और दवाओं से राहत न मिलने वाले मानसिक रोगों के उपचार में किया जाता है। नियंत्रित चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत मरीज को बेहोशी की अवस्था में हल्के विद्युत प्रवाह के माध्यम से उपचार दिया जाता है। जिला अस्पताल बौराड़ी में

ईसीटी मशीन के इंस्टॉलेशन के लिए मुंबई से इंजीनियर बुलाया गया है। अगले तीन-चार दिन में मशीन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जून प्रथम सप्ताह से ईसीटी मशीन का परीक्षण कर विधिवत संचालन शुरू कर दिया जाएगा। — **डॉ.श्याम विजय, सीएमओ टिहरी**

कंडीसौड़ में सुलभ शौचालय तीन माह से बिजली नहीं

नई टिहरी। गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा के प्रमुख पड़ाव कंडीसौड़ बाजार में स्थित इंटरनेशनल सुलभ शौचालय में पिछले तीन माह से बिजली नहीं होने से चारधाम यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कर व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। कंडीसौड़ बाजार में चार साल पहले सुलभ शौचालय का निर्माण किया गया था। स्थानीय लोगों के साथ ही यात्रा सीजन में गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को यहां पर शौचालय की सुविधा मिलती है लेकिन लंबे समय से बिजली बिल जमा नहीं होने के कारण शौचालय का विद्युत कनेक्शन बीते मार्च में काट दिया गया था। व्यापार मंडल अध्यक्ष सुमेर सिंह पंवार, ग्राम प्रधान सुमन सिंह गुसाईं व ललित प्रसाद खंडूड़ी का कहना है कि चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में यात्री कंडीसौड़ में रुकते हैं। रात में शौचालय परिसर में अंधेरा रहने से यात्रियों, महिलाओं और बुजुर्गों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। इस बाबत ऊर्जा निगम के अवर अभियंता दीपेंद्र सजवाण ने बताया कि बिल जमा न होने पर मार्च में बिजली कनेक्शन काटा गया था। वहीं, सुलभ शौचालय का संचालन कर रहे ठेकेदार डीके पांडेय ने बताया कि शौचालय में कार्यरत सफाई कर्मी प्रीतम की मृत्यु के बाद उसकी बेटी अनु को सफाई और संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। शौचालय में उपयोगकर्ताओं से शौच के लिए पांच रुपये और स्नान के लिए 10 रुपये शुल्क लिया जाता है जिससे पानी और बिजली का खर्च वहन किया जाता है।

आज पर्यटकों के लिए खोली जाएगी फूलों की घाटी

चमोली। विश्व धरोहर फूलों की घाटी एक जून से पर्यटकों के लिए खोल दी जाएगी। अक्तूबर माह तक पर्यटक घाटी में घूमने के लिए जा सकेंगे। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के अंतर्गत फूलों की घाटी सोमवार सुबह सात बजे खोली जाएगी। घाटी के खुलने से पूर्व नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के डीएफओ अभिमन्यु घाटी का निरीक्षण कर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि बर्फ पिघलने से घाटी में फूल खिलने शुरू हो गए हैं। पहले दिन पर्यटकों को 24 से अधिक प्रजाति के फूल देखने को मिलेंगे। उन्होंने बताया कि वहां की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी गई हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए घाटी के प्रवेश द्वार में एक व्यू प्वाइंट बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मद्महेश्वर के यात्रा मार्ग पर पेयजल संकट

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार मद्महेश्वर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन यहां यात्रा मार्ग व मंदिर क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी है। सबसे अधिक परेशानी पेयजल व्यवस्था को लेकर है। जल संस्थान ने एक सप्ताह में व्यवस्था सुधारने का दावा किया था। स्थानीय लोगों ने बताया यहां नानू, खटारा सहित पूरे यात्रा मार्ग पर पेयजल की स्थिति अब तक सामान्य नहीं हुई हैं। गौंडार के प्रधान अनूप पंवार ने बताया कि नानू से लेकर मद्महेश्वर मंदिर क्षेत्र तक पेयजल की समस्या बनी हुई है। यात्रा शुरू होने से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जानी चाहिए थीं लेकिन यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जल संस्थान के ईई ने पाइप मंगाकर एक सप्ताह में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने का दावा किया था लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने विभाग से जल्द पेयजल व्यवस्था सुचारु करने की मांग की।

छात्रों ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

रुद्रप्रयाग। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशा मुक्ति संगठन सर्वमंगलम की ओर से विचार गोष्ठी व भाषण प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर नशे के दुष्प्रभावों और नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर विचार रखे। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में जैक्सन नेशनल स्कूल की अमेलिया प्रथम, इंटर कॉलेज नारायणकोटी की अंशिका द्वितीय और इसी विद्यालय की अंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग में नारायणकोटी इंटर कॉलेज की खुशी प्रथम रहीं। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं नशामुक्त समाज की दिशा में सराहनीय कार्य करने पर महिला मंगल दल नाला जगई की अध्यक्ष आरती पंवार तथा ग्राम प्रधान सुमन शुक्ला को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश्वरी गवाड़ी ने संगठन को नशा मुक्ति अभियान के लिए पांच हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक डॉ. हर्षवर्धन बैंजवाल, सचिव हर्षवर्धन शुक्ला, उपाध्यक्ष सुमन थपलियाल, कोषाध्यक्ष गजपाल नेगी, पशुपतिनाथ बगवाड़ी, जीत सिंह नेगी, सुदर्शन नेगी आदि मौजूद रहे।

मयाली बाजार में सार्वजनिक शौचालय बदहाल

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा का पड़ाव व 100 से अधिक गांवों के व्यापारिक केंद्र मयाली बाजार में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बदहाल है। यहां पानी की आपूर्ति ठप होने के कारण शौचालयों में गंदगी फैली है जिससे लोग और यात्री परेशान हैं। व्यापारी प्रेम प्रकाश कोठारी, महावीर सिंह, जितेंद्र सिंह ने बताया कि जनता की मांग पर पूर्व में जल संस्थान ने शौचालयों के लिए पानी का कनेक्शन दिया था लेकिन हाल ही में लोनिवि की जेसीबी से मलबा हटाने के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद से पानी की आपूर्ति बंद है। व्यापारियों का कहना है कि जिला पंचायत शौचालय उपयोग के लिए शुल्क तो लेती है लेकिन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने यहां व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। वहीं जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि जल संस्थान को पाइपलाइन को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

केदारनाथ यात्रा : पड़ावों पर चार घंटे तक रोक गए यात्री

रुद्रप्रयाग। मौसम विभाग की जिले में बारिश को लेकर जारी ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक केदारनाथ यात्रा रोक दी गई। अगस्त्यमुनि, कुंड, गौरीकुंड, सोनप्रयाग में करीब 200 से अधिक यात्रियों को रोका गया। दोपहर एक बजे बारिश थमी तो यात्रियों को रवाना कर दिया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि खराब मौसम और ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए यात्रा को सुरक्षित पड़ावों पर रोक दिया गया। पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ व अन्य राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि मौसम सामान्य होने पर यात्री गंतव्य को रवाना कर दिए गए। उधर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा लगातार मौसम और यात्रा मार्गों की निगरानी कर रहे हैं। सोनप्रयाग, गौरीकुंड सहित संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मौसम खराब होने तक किसी भी यात्री को आगे न जाने दिया जाए। वहीं कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्गों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तीन गांवों का ट्रासंफार्मर तीन दिन से खराब

रुद्रप्रयाग। चमोली जिले के जिलासू तहसील क्षेत्र के ऐरास, सेम और कुंवाण गांवों में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है। करीब तीन गांवों के 150 परिवार ट्रांसफार्मर में खराबी के कारण अंधेरे में रहने के लिए मजबूर हैं। ऐरास के प्रधान विजयपाल, ग्रामीण नेहा और पूनम देवी आदि ने कहा कि तीन दिन पूर्व ट्रांसफार्मर में खराबी आने से बिजली गुल हो गई। निगम के अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी समस्या नहीं सुलझी। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न होने से मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रहे हैं।

वहीं ऑनलाइन फॉर्म भरने और अन्य डिजिटल कार्यों के लिए आवश्यक ओटीपी भी नहीं आ पा रहे हैं। दूसरी ओर ऊर्जा निगम कर्णप्रयाग के एसडीओ तबरेज आलम ने बताया कि गांव का ट्रांसफार्मर खराब हुआ है। एक-दो दिनों में नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली सुचारु कर दी जाएगी।

नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा रन का हुआ शानदार आगाज

चमोली। सीमांत क्षेत्र नीती घाटी में रविवार को नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा रन का शानदार आगाज हो गया। दो जून तक चलने वाली प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए देश के 28 राज्यों से 933 प्रतिभागी सीमांत क्षेत्र में पहुंचे हैं। रविवार को पहले दिन 75 किमी अल्ट्रा मैराथन (रिमखिम-नीती-मलारी) हुई। इसमें 117 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। वहीं 42 किमी की मैराथन (मलारी-नीती-मलारी) प्रतियोगिता में 118 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पर्यटन विभाग की ओर से भारतीय सेना और आईटीबीपी के सहयोग से नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा रन का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पीएम मोदी के फिट इंडिया मुहिम को सीमांत क्षेत्र तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बना है।

इसका उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना और युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इससे अंतिम रक्षा पंक्ति के गांव और अधिक मजबूत होंगे। जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ ने बताया कि

नीती एक्सट्रीम अल्ट्रा रन का आयोजन दो जून तक होगा। इस दौरान दर्जाधारी हरक सिंह, विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, गृह सचिव शैलेश बगोली, सचिव पर्यटन धीरज गर्ब्याल, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप महानिरीक्षक आईटीबीपी शैलेश कुमार जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, विनोद कनवासी आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर पर्यटन विभाग की ओर से मलारी गांव में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें लोक गायक किशन महिपाल ने गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागी यहां की लोकसंस्कृति से रूबरू हुए। कार्यक्रम में स्थानीय लोग भी देर शाम तक उपस्थित रहे। वहीं जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में पांच किमी, 10 किमी व 21 किमी की हाफ मैराथन 1 जून को होगी। साथ ही गमशाली से मलारी के मध्य 30 किमी एमटीबी चैलेंज प्रतियोगिता भी होगी।

प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए गृह सचिव शैलेश बगोली और पर्यटन सचिव धीरज सिंह गर्ब्याल ने भी दौड़ लगाई। वे कुछ दूरी तक प्रतिभागियों के साथ दौड़ते रहे। प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों, स्थानीय नागरिकों, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नशामुक्त समाज का संकल्प लिया। आयोजन में सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने यातायात व्यवस्था का प्रबंधन किया। आयोजन स्थल, रनिंग रूट, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की तैनाती की गई।

बुग्यालों में हुई बर्फबारी, पर्यटकों ने उठाया लुत्फ

नई टिहरी। शनिवार रात्रि से हो रही बारिश के कारण रविवार सुबह हल्की ठंड का अहसास हुआ। वहीं बुग्यालों में मुख्य पर्यटन स्थल रूपकुंड, पातरनचौणियां, बगुवावासा बर्फ से ढक गए हैं। बर्फबारी देखने बंगाल समेत कई जगहों से 15 पर्यटक पहुंचे। बुग्यालों में हो रही बर्फबारी से हिमालयी क्षेत्र के गांव वाण, दीदना, बांक, घेस, हिमनी, बलाण, पिनाऊं गांव में ठंड बढ़ गई है। वाण में तैनात वन विभाग के कर्मी प्रदीप तोपाल ने बताया कि शनिवार को वेदनी-बगुवावासा ट्रैक पर 15 पर्यटक गए हैं। इस ट्रैक के पातरनचौणियां से रूपकुंड में बर्फबारी हो रही है। नंदासैंण क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में रातभर हुई बारिश के बाद मौसम ठंडा हो गया है। ठंड से बचने के लिए लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लिया।

बारिश से लोनिवि की सड़कें बनीं तालाब

नई टिहरी। लगातार हो रही बारिश से लोक निर्माण विभाग की सड़कें जगह-जगह तालाब बन गई हैं जिससे राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आदिबदरी-देवलकोट, कर्णप्रयाग-नौटी और आदिबदरी-नौटी मार्ग के भलसों में जलभराव की समस्या बनी हुई है। कर्णप्रयाग-नौटी मोटर मार्ग पर तहसील कार्यालय और कोतवाली के समीप सड़क सुधारीकरण के तहत बन रहे स्कपर का कार्य आधा-अधूरा होने के कारण आवागमन जोखिमभरा हो गया है। स्थानीय सुरेंद्र सिंह रावत, बीरेंद्र सिंह और हरीश चंद्र ने प्रशासन से इस कार्य को समय पर पूरा कराने की मांग की। उधर भलसों में पूर्व प्रधान नवीन खंडूड़ी ने कहा कि सड़क के नीचे आबादी होने के कारण जलभराव से भूस्खलन और घरों को खतरा हो गया है।

करोड़ों खर्च करने के बाद भी नहीं सुधरा बौराड़ी स्टेडियम

नई टिहरी। नगर के बौराड़ी स्टेडियम में करोड़ों की धनराशि खर्च होने के बाद स्टेडियम की हालत में सुधार नहीं हो पा रहा है। अब तक स्टेडियम के सुधारीकरण के नाम पर करीब नौ करोड़ से अधिक धनराशि खर्च हो चुकी हैं। बरसात में होने स्टेडियम में पानी भर जाता है। बरसात होने पर बौराड़ी स्टेडियम का ड्रेनेज सिस्टम जवाब दे देता है जिससे पूरे मैदान पानी से लबालब भर जाता है। नतीजतन खिलाड़ियों को खेलने और अभ्यास के लिए सुरक्षित और उपयुक्त मैदान नहीं मिल पाता। स्टेडियम में कई दिनों तक पानी जमा रहने से खेल गतिविधियां ठप पड़ जाती है। स्टेडियम में इतना भारी भरकम बजट खर्च होने के बाद भी ड्रेनेज की समस्या जस की तस बनी है। यह जिला मुख्यालय में एक मात्र खेल मैदान हैं। शिक्षा विभाग और खेल विभाग की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता सहित स्थानीय युवाओं की ओर से समय-समय पर विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं इसी स्टेडियम में संपन्न करवाई जाती है।

छात्र दिव्यांशु रावत, साहिल कुमार, सुजल रतूड़ी ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन के बीच में यदि बारिश हो गई तो स्टेडियम में पानी भर जाता है। स्टेडियम के चारों और पानी की निकासी के लिए बनी नालियों का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं होने से यह स्थिति बन जाती है।

साथ ही मैदान का लेबल भी ठीक नहीं होने के कारण जगह-जगह पानी जमा हो जाता है जिसके सूखने में कई दिनों का समय लग जाता है।

बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ में शनिवार रात से रिमझिम बारिश शुरु हुई,सुबह के बाद मौसम ने करवट ली और दोपहर तक तेज बारिश हुई। नगर निगम व तहसील कार्यालय के पास ही बारिश का पानी सड़क में बहने लगा। नगर निगम व तहसील कार्यालय के पास जिम्मेदार अधिकारी बारिश के पानी की निकासी के लिए उचित नालियों का तक निर्माण नहीं करा पा रहे हैं। नगर निगम के पास ही चिमस्यौनाला की ओर जा रहे लोगों को भी सड़क में पानी बहने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पाण्डेयगांव के पास भी बारिश का पानी संकरी गलियों में बहने लगा,जिससे नन्हें बच्चों सहित अन्य स्थानीय लोगों को दिक्कतें हुई। बारिश व ओलावृष्टि के बाद सीमांत के तापमान में गिरावट आई है। बीते गुरुवार को तापमान 30 डिग्री सेल्सियस अधिकतम व 18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम दर्ज किया गया। रविवार को रविवार को अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पांच माह पहले हुआ शिलान्यास, सुधारीकरण का पता नहीं

नई टिहरी। तहसील से पांच से अधिक गांवों को जोड़ने वाली जिलासू-सरणा सड़क के सुधारीकरण के शिलान्यास को छह माह बीत गए। शिलान्यास का बोर्ड भी विभाग ने यहां कुछ दिन पहले ही लगाया लेकिन सड़क का सुधारीकरण कब होगा इसकी जानकारी विभाग नहीं दे पा रहा है। तहसील जिलासू के बगड़ी, कोलड़ा, सेम, ऐरास सहित सरणा हाईस्कूल और आसपास के गांवों को जोड़ने वाली जिलासू-सरणा सड़क के सुधारीकरण के लिए 3 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत हुई। इस सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बीते नवंबर माह में किया था। मगर छह माह बीतने पर विभाग यहां केवल मिट्टी और गिट्टी ही बिछा पाया। वह भी बारिश के कारण बह गई। वासु कोहली और अरविंद ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति से लोगों में नाराजगी है। रोजाना इस सड़क से कई गांवों के लोग आवागमन करते हैं ।

नरेंद्रनगर पालिका चुनाव में कांग्रेस को झटका, भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

नई टिहरी। स्थानीय निकाय चुनाव नरेंद्रनगर में अध्यक्ष पद पर कांग्रेस को झटका लगा है। कांग्रेस के अध्यक्ष पद प्रत्याशी राजेंद्र गुसाईं का नामांकनपत्र निरस्त हो गया। अध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अब स्थानीय निकाय चुनाव में नौ जून को वार्ड सभासद पदों के लिए मतदान होना है। कांग्रेस ने सरकार पर चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। नरेंद्रनगर नगर पालिका परिषद के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के राजेंद्र गुसाईं और भाजपा के राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार ने नामांकन कराया था। अध्यक्ष पद पर सिर्फ दो ही प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र गुसाईं के नामांकन पत्र पर भाजपा के मंडलाध्यक्ष साकेत बिजल्वाण ने बीते दिन आपत्ति जताई थी।

रिटर्निंग अधिकारी को दिए गए शिकायत पत्र में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव में जो शपथपत्र दिया है उसे कुछ तथ्य छुपाए हैं। वह बाल कल्याण समिति में सदस्य के पद पर कार्यरत है जो लाभ के पद के अंतर्गत आता है। रिटर्निंग अधिकारी डॉ. डीके शर्मा ने मामले में कांग्रेस प्रत्याशी से आज अपराह्न 12 बजे तक स्पष्टीकरण मांगा था।

रिटर्निंग अधिकारी डॉ. शर्मा ने बताया कि वह निर्धारित समय तक स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कर पाए। अध्यक्ष पद पर भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। रिटर्निंग अधिकारी की घोषणा करने पर कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सूरत सिंह आर्य, मनवीर नेगी ने विरोध दर्ज किया। रिटर्निंग अधिकारी की ओर से उन्हें जवाब देने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया।

दूसरी ओर, अध्यक्ष पद पर पंवार के निर्वाचित होने पर भाजपाइयों ने बाजार में विजयी जुलूस निकालकर खुशी का इजहार किया। इस मौके भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनीष राणा, साकेत बिजल्वाण, मंगल सिंह गुसाईं सचिन भंडारी, उज्जवल कोहली, उत्सव कोहली, राजवीर पुंडीर आदि मौजूद रहे।

जसपुर में भाजपाईयों ने सुना मन की बात कार्यक्रम

काशीपुर। भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134वां एपिसोड सुना। रविवार को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं उज्जवला योजना लाभार्थी विभाग के जिला चेयरमैन खड़क सिंह के भूतपुरी रोड स्थित कार्यालय के अलावा भाजपाइयों ने कई स्थानों पर टीवी चैनलों पर प्रसारित कार्यक्रम को सुना। खड़क सिंह ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुना। यहां हेश सिंह उदयराज सिंह, रामपाल सिंह, मोहित शर्मा, एसपी सिंह, जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, नौबहार सिंह, उमेश सिंह आदि रहे।

शिक्षकों की मांगें न मानने पर आंदोलन करेगा माध्यमिक शिक्षक संघ

काशीपुर। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। रविवार को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित ऑनलाइन प्रांतीय बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जून के दूसरे सप्ताह में डोईवाला पब्लिक कॉलेज में संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी। इसी दौरान देहरादून जनपद की नई जिला कार्यकारिणी का गठन एवं निर्वाचन भी संपन्न कराया जाएगा। बैठक में तदर्थ एवं पीटीए शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने तदर्थ और पीटीए शिक्षकों के विनियमितीकरण, डी-ग्रेड प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति, पीटीए शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि, मानदेय भुगतान की कटऑफ तिथि को वर्ष 2025 तक बढ़ाने तथा वर्ष 2005 से पूर्व विज्ञापित पदों पर नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग उठाई। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में पिछले 15 वर्षों से कार्यरत 413 तदर्थ शिक्षकों का अब तक विनियमितीकरण नहीं हो पाया है, जो चिंताजनक है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहते हो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ञ20 सीरीज में अब दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि ये सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईढ्ढ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

भारतीय महिला टीम ने अंडर–18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3–1 से हराया

काकामिगहारा। भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर–18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3–1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक–एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1–0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2–0 से आगे कर दिया। हाफ–टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े–बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वाली फायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारियां खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

–नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15–सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3–0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है – चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप–कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप–कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप–कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट–ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आईं, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच में पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नहीं थीं; उसने कुछ छात्राओं से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

–सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।